CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN,

SEMESTER END EXAMINATION, OCTOBER 2019

Carmel College Library
Nuvem, Salcete, Goa.

Semester: III Subject: Hindi

Paper name and Code: Hindi Sahitya Ka Aadikaal Evam Madyakaal: Parichayatmak Adhyayan (HNC 103)

Duration: 2 Hours Date: 24-10-2019 Total marks: 80

प्रश्न 1) निम्नलिखित प्रश्नों में से **<u>किन्हीं चार</u>** के लघु उत्तर लिखिए। (16)

1. संत काव्य की किन्हीं दो विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
2. आदिकाल में सत्ताएँ कितने केंद्रों में विभाजित थी? नाम बताइए।
3. संध्या भाषा से आपका क्या तात्पर्य है?
4. सूरदास 'मन माने की बात' क्यों कहते है ?
5. रैदास के अनुसार राम के नाम का गान करना क्यों जरुरी है ?
6. 'राम काव्य के पात्र लोक मर्यादा की आदर्श व्याख्या करते है' स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) निम्नलिखित प्रश्नों में से **<u>किन्हीं चार</u>** के लघु उत्तर लिखिए। (16)

1. सूफी प्रेमाख्यान भारतीय लोक-जीवन से कैसे निकट है?
2. रीतिबद्ध साहित्य से आपका क्या अभिप्राय है?
3. रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य में कोई दो अंतर बताइए।
4. ढोला मारु रा दूहा – में प्राप्त विरह को अपने शब्दों में लिखिए।
5. भक्तमाल में भक्ति की माला को किस तरह से प्रस्तुत किया है ?
6. रामकाव्य की भाषा की विशेषताएँ बताइए।

प्रश्न 3) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (12)

अ) तुम सुणौ दयाल म्हारी अरजी ॥
भवसागर में बही जात हौं , काढो तो थारी मरजी।
इण संसार सगो नहिं कोई , सांचा सगा रघुबरजी।
माता पिता औ कुटुम कबीलो सब मतलब के गरजी।
मीरा की प्रभु अरजी सुण लो चरण लगाओ थारी मरजी ॥

<u>अथवा</u>

अ) सुनि सो बात राजा मन जागा। पलक न मार पेम चित लागा ॥
नैनन्ह ढरहिं मोति औ मूंगा। जस गुर खाइ रहा होइ गूंगा।
हिएँ की जोति दीप वह सूझा। यह जो दीप अंधिअर भा बूझा ॥
उलटि दिस्टि माया सौं रुठी। पलटि न फिरी जानि कै झूठी
जौ पै नाहीं अस्थिर दशा । जग उजार का कीजै बसा। ।
गुरु बिरह चिनगी पै मेला । जो सुलगाइ लेइ सो चला। ।

आ) वह प्रीति की रीति को जानत थो , तबहीं तो बच्यो गिरि ढाहन तै।
गजराज चिकारि कै प्रान तज्यो , न जरयो संग होलिका दाहन है।
कवि बोधा कछू न अनोखी यहै , का बने नहीं प्रीति निबाहन तै।

प्रल्हाद की ऐसी प्रतीति करै , तब क्यों न प्रभु पाहन तै।

अथवा

आ) साँसन ही में समीर गयो अरु आँसुन ही सब नीर गयो ढरि
तेज गयो गुन ले अपनों अरु भूमि गई तनु की तनुता करि
देव जिये मिलिबेइ की आस कै , आसहु पास अकास रह्यो भरि
जा दिन तें मुख फेरि, हरे हँसि हेरि हियो जु लियो हरि जू हरि।

प्रश्न 4°अ) आदिकाल की राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

आ. टिप्पणियाँ लिखिए। (6+6=12)

1) सिद्ध काव्य।

2) जैन काव्य।

प्रश्न 5°अ) रामकाव्य का स्वरूप बताते हुए उसकी प्रवृत्तियों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

आ. टिप्पणियाँ लिखिए। (6+6=12)

1) संत काव्य।

2) सूफी काव्य।

प्रश्न 6°अ) रीतिकाल की राजनीतिक परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

आ. टिप्पणियाँ लिखिए। (6+6=12)

1) रीतिमुक्त काव्य।

2) रीतिकाल का सामाजिक परिवेश